Publication : Dainik Bhaskar	Edition : New Delhi
Date : April 01, 2019	Page: 9

देना और विजया बैंक का बैंक ऑफ बड़ौदा में विलय आज से लागू

एजेंसी | नई दिल्ली

दो सरकारी बैंकों देना बैंक और विजया बैंक का एक अप्रैल से बैंक ऑफ बड़ौदा में विलय हो जाएगा। इसी के साथ बैंक ऑफ बड़ौदा एसबीआई और आईसीआईसीआई बैंक के बाद देश का तीसरा सबसे बड़ा बैंक बन जाएगा। देना बैंक और विजया बैंक की सभी शाखाएं सोमवार से बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखाओं के तौर पर काम करने लगेंगी। विलय के बाद बैंक ऑफ बड़ौदा का कारोबार 14.82 लाख करोड़ रुपए का होगा। इसके पास 8.75 लाख करोड़ रुपए का डिपॉजिट होगा। बांटे गए कर्ज का आंकड़ा 6.25 लाख करोड़ रुपए होगा। बैंक की देशभर में 9,500 शाखाएं और 13,400 एटीएम होंगे। 85,000 कर्मचारी और 12 करोड ग्राहक होंगे। इस विलय से देश में सरकारी बैंकों की संख्या कम होकर 18 रह जाएगी।

केंद्र सरकार ने अतिरिक्त खर्च की भरपाई के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा को 5,042 करोड़ रुपए देने का पिछले हफ्ते निर्णय लिया था। विलय की योजना के तहत विजया बैंक के शेयरधारकों को हर 1,000 शेयर के बदले बैंक ऑफ बड़ौदा के 402 शेयर मिलेंगे। जबकि देना बैंक के शेयरधारकों को हर 1,000 शेयर के बदले बैंक ऑफ बड़ौदा के 110 शेयर मिलेंगे।